



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 299]
No. 299]नई दिल्ली, शुक्रवार, मार्च 26, 2004/चैत्र 6, 1926
NEW DELHI, FRIDAY, MARCH 26, 2004/CHAITRA 6, 1926

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड

अधिसूचना

सुम्बर्ह, 10 मार्च, 2004

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (उपयुक्त तथा उचित व्यक्ति के लिए मानदंड) विनियम, 2004

क्रा.आ. 398(अ).—बोर्ड, भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992 (1992 का 15) की धारा 11(1) और 12 के साथ पठित धारा 30 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एतद्वारा निम्नलिखित विनियम बनाता है, अर्थात्:—

संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ

1. (1) इन विनियमों को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (उपयुक्त तथा उचित व्यक्ति के लिए मानदंड) विनियम, 2004 कहा जा सकेगा।
- (2) वे राजपत्र में उनके प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

परिभाषाएं

2. (1) इन विनियमों में, जब तक कि सन्दर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो, -
 - (क) "अधिनियम" से भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992 (1992 का 15) अभिप्रेत है;
 - (ख) "बोर्ड" से अधिनियम की धारा 3 के अधीन स्थापित भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अभिप्रेत है;
 - (ग) "मध्यवर्ती" से अधिनियम की धारा 12 के अधीन रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति और भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (विदेशी जोखिम पूँजी विनिधानकर्ता) विनियम, 2000 के अधीन बोर्ड के साथ रजिस्ट्रीकृत विदेशी जोखिम पूँजी विनिधानकर्ता भी अभिप्रेत है;

- (घ) "सुसंगत विनियमों" से "अनुसूची" में यथाविनिर्दिष्ट विनियम और समय-समय पर उनमें किया गया कोई संशोधन अभिप्रेत है;
- (ङ) "अनुसूची" से इन विनियमों से संलग्न अनुसूची अभिप्रेत है।
- (2) (क) इन विनियमों में उपयोग किये गये और अपरिभाषित शब्दों और पदों के, अधिनियम अथवा उसमें किसी संशोधन या उसकी पुनःअधिनियमिति के अधीन क्रमशः उनके लिए नियत अर्थ, यदि कोई हो, होंगे।
- (ख) या तो इन विनियमों में या अधिनियम में उपयोग किये गये और अपरिभाषित शब्दों और पदों के, प्रतिभूति संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1956 अथवा उसमें किसी संशोधन या उसकी पुनःअधिनियमिति के अधीन क्रमशः उनके लिए नियत अर्थ, यदि कोई हो, होंगे।
- (ग) या तो इन विनियमों में, या अधिनियम में या प्रतिभूति संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1956 में उपयोग किये गये और अपरिभाषित शब्दों और पदों के, कंपनी अधिनियम, 1956, अथवा उसमें किसी संशोधन या उसकी पुनःअधिनियमिति के अधीन क्रमशः उनके लिए नियत अर्थ, यदि कोई हो, होंगे।

'उपयुक्त तथा उचित व्यक्ति' का अवधारण करने के लिए मानदंड

3. (1) "यह अवधारण करने के प्रयोजन के लिए कि क्या सुसंगत विनियमों में से किसी एक या अधिक के अधीन रजिस्ट्रीकरण चाहनेवाला आवेदक या मध्यवर्ती 'उपयुक्त तथा उचित व्यक्ति' है, बोर्ड किसी भी बात का विचार कर सकेगा जैसा यह उचित समझे, निम्नलिखित मानदंड को सम्मिलित करते हुए परंतु तक परिसीमित नहीं -
- (क) वित्तीय निष्ठा;
- (ख) दोषसिद्धि या सिविल दायित्वों का अभाव;
- (ग) क्षमता;
- (घ) अच्छी ख्याति और चरित्र;
- (ङ) दक्षता और ईमानदारी; और
- (च) इन विनियमों में नियत अनुसार मध्यवर्ती के तौर पर कार्यवाई करने के लिए किसी निरर्हता का अभाव।
- (2) व्यक्ति को मध्यवर्ती के तौर पर कार्य करने के लिए या मध्यवर्ती के तौर पर कार्य करना जारी रखने के लिए प्रमाणपत्र प्रदान करने या के नवीकरण के प्रयोजन के लिए 'उपयुक्त तथा उचित व्यक्ति' नहीं समझा जायेगा, यदि वह निम्नलिखित निरर्हताओं में से कोई उपगत करता है -
- (क) आवेदक या मध्यवर्ती, यथास्थिति अथवा इसके पूर्णकालिक निदेशक या प्रबंध भागीदार को किसी अपराध जिसमें नैतिक अधमता, आर्थिक अपराध, प्रतिभूति विधियों या कपट सम्मिलित हैं के लिए न्यायालय द्वारा सिद्धदोष ठहराया गया है;

- (ख) आवेदक या मध्यवर्ती के खिलाफ परिसमापन के लिए आदेश पारित किया गया है;
- (ग) आवेदक या मध्यवर्ती, अथवा इसके पूर्णकालिक निदेशक, या प्रबंध भागीदार को दिवालिया घोषित किया गया है और उन्मोचित नहीं किया गया है;
- (घ) आवेदक या मध्यवर्ती, अथवा इसके पूर्णकालिक निदेशक या प्रबंध भागीदार को पूँजी बाजार में प्रतिभूतियों में व्यौहार करने या पूँजी बाजार में पहुँच से अवरुद्ध, प्रतिषिद्ध या विवर्जित करनेवाला आदेश, मध्यवर्ती के तौर पर रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र के निलंबन के आदेश से भिन्न, बोर्ड या अन्य किसी विनियामक प्राधिकरण द्वारा पारित किया गया है और आदेश में विनिर्दिष्ट कालावधि के अवसान की तारीख से तीन वर्षों की कालावधि व्यपगत नहीं हुई है;
- (ङ) आवेदक या मध्यवर्ती के रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र को रद्द करनेवाला आदेश बोर्ड द्वारा पारित किया गया है अंतरंग व्यापार, कपट तथा अशुद्ध व्यापार व्यवहारों अथवा बाजार छलसाधन में इसकी लिप्तता के आधार पर और आदेश की तारीख से तीन वर्षों की कालावधि व्यपगत नहीं हुई है;
- (च) आवेदक या मध्यवर्ती, अथवा इसके पूर्णकालिक निदेशक या प्रबंध भागीदार जो पूँजी बाजार से संबंधित है, से कोई अनुज्ञप्ति / अनुमोदन वापस लेनेवाला अथवा को प्रदान करने से इंकार करनेवाला आदेश, बोर्ड या अन्य किसी विनियामक प्राधिकरण द्वारा पारित किया गया है और आदेश की तारीख से तीन वर्षों की कालावधि व्यपगत नहीं हुई है;

परंतु यह कि बोर्ड कारण जो लेखबद्ध किये जायेंगे के लिए, आवेदक या मध्यवर्ती को, खंड (घ), (ङ) और (च) में यथाविनिर्दिष्ट तीन वर्षों के व्यपगत होने से पहले रजिस्ट्रीकरण चाहने के लिए अनुज्ञात कर सकेगा।

- (छ) आवेदक या मध्यवर्ती, वित्तीय तौर पर सुदृढ़ नहीं है;
- (ज) अन्य कोई कारण, जो बोर्ड द्वारा लेखबद्ध किये जायेंगे, जो बोर्ड की राय में, ऐसे आवेदक या मध्यवर्ती, अथवा इसके पूर्णकालिक निदेशक या प्रबंध भागीदार को पूँजी बाजार में क्रियाशील रहने के लिए अनुपयुक्त बना देता है।

स्पष्टीकरण:

1. इस विनियम के प्रयोजन के लिए "पूर्णकालिक निदेशक", से -

(क) पारस्परिक निधि के संबंध में इसके प्रायोजक, निदेशक, प्रधान अधिकारी, न्यासी या इसकी आस्ति प्रबंध कंपनी के पूर्णकालिक निदेशक अभिप्रेत होंगे;

(ख) जोखिम पूँजी निधि के संबंध में

- i. जहाँ ऐसी जोखिम पूँजी निधि न्यास है, इसकी न्यासी कंपनी के पूर्णकालिक निदेशक अभिप्रेत होंगे।
- ii. जहाँ ऐसी जोखिम पूँजी निधि निगमित निकाय है, इसके पूर्णकालिक निदेशक या न्यासी अभिप्रेत होंगे।

2. उप-विनियम (2) के खंड (छ) के प्रयोजन के लिए, बोर्ड आवेदक या मध्यवर्ती की पूँजी पर्याप्तता या शुद्ध मालियत पर विचार करेगा, जब भी सुसंगत विनियमों में ऐसा विनिर्दिष्ट किया गया हो;

सुसंगत विनियमों का संशोधन

4. अनुसूची में विनिर्दिष्ट सुसंगत विनियमों का उनमें विवरणित रीति में संशोधन किया जायेगा।

अनुसूची

[विनियम 3]

1. भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड, (निर्गमन बैंककार) विनियम, 1994 का संशोधन
विनियम 6 के पश्चात्, निम्नलिखित विनियम अंतःस्थापित किया जायेगा, अर्थात् :-
“भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (उपयुक्त तथा उचित व्यक्ति के लिए मानदंड) विनियम, 2004 का लागू होना।
6क. भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (उपयुक्त तथा उचित व्यक्ति के लिए मानदंड) विनियम, 2004 के उपबंध, यथाशक्य, इन विनियमों के अधीन सभी आवेदकों या निर्गमन बैंककारों पर लागू होंगे”।
2. भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड, (सामूहिक विनिधान स्कीम) विनियम, 1999 का संशोधन
विनियम 9 के पश्चात्, निम्नलिखित विनियम अंतःस्थापित किया जायेगा, अर्थात् :-
“भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (उपयुक्त तथा उचित व्यक्ति के लिए मानदंड) विनियम, 2004 का लागू होना।
9क. भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (उपयुक्त तथा उचित व्यक्ति के लिए मानदंड) विनियम, 2004 के उपबंध, यथाशक्य, इन विनियमों के अधीन सभी आवेदकों या सामूहिक विनिधान प्रबंध कंपनियों पर लागू होंगे”।
3. भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड, (साख निर्धारण एजेंसियों) विनियम, 1999 का संशोधन
विनियम 5 के पश्चात्, निम्नलिखित विनियम अंतःस्थापित किया जायेगा, अर्थात् :-
“भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (उपयुक्त तथा उचित व्यक्ति के लिए मानदंड) विनियम, 2004 का लागू होना।
5क. भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (उपयुक्त तथा उचित व्यक्ति के लिए मानदंड) विनियम, 2004 के उपबंध, यथाशक्य, इन विनियमों के अधीन सभी आवेदकों या साख निर्धारण एजेंसियों पर लागू होंगे”।
4. भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड, (प्रतिभूति अभिरक्षक) विनियम, 1996 का संशोधन
विनियम 6 के पश्चात्, निम्नलिखित विनियम अंतःस्थापित किया जायेगा, अर्थात् :-
“भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (उपयुक्त तथा उचित व्यक्ति के लिए मानदंड) विनियम, 2004 का लागू होना।
6क. भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (उपयुक्त तथा उचित व्यक्ति के लिए मानदंड) विनियम, 2004 के उपबंध, यथाशक्य, इन विनियमों के अधीन सभी आवेदकों या प्रतिभूति अभिरक्षकों पर लागू होंगे”।
5. भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड, (डिबेंचर न्यासी) विनियम, 1993 का संशोधन
विनियम 6 के पश्चात्, निम्नलिखित विनियम अंतःस्थापित किया जायेगा, अर्थात् :-
“भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (उपयुक्त तथा उचित व्यक्ति के लिए मानदंड) विनियम, 2004 का लागू होना।
6क. भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (उपयुक्त तथा उचित व्यक्ति के लिए मानदंड) विनियम, 2004 के उपबंध, यथाशक्य, इन विनियमों के अधीन सभी आवेदकों या डिबेंचर न्यासियों पर लागू होंगे”।

12. भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड, (निर्गम रजिस्ट्रार और शेयर अंतरण अभिकर्ता) विनियम, 1993 का संशोधन विनियम 6 के पश्चात्, निम्नलिखित विनियम अंतःस्थापित किया जायेगा, अर्थात् :-
 “भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (उपयुक्त तथा उचित व्यक्ति के लिए मानदंड) विनियम, 2004 का लागू होना।

6क. भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (उपयुक्त तथा उचित व्यक्ति के लिए मानदंड) विनियम, 2004 के उपबंध, यथाशक्य, इन विनियमों के अधीन सभी आवेदकों या निर्गम रजिस्ट्रारों और शेयर अंतरण अभिकर्ताओं पर लागू होंगे”।

13. भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड, (स्टॉक दलाल और उप-दलाल) विनियम, 1992 का संशोधन विनियम 5 के पश्चात्, निम्नलिखित विनियम अंतःस्थापित किया जायेगा, अर्थात् :-
 “भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (उपयुक्त तथा उचित व्यक्ति के लिए मानदंड) विनियम, 2004 का लागू होना।

5क. भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (उपयुक्त तथा उचित व्यक्ति के लिए मानदंड) विनियम, 2004 के उपबंध, यथाशक्य, इन विनियमों के अधीन सभी आवेदकों या स्टॉक दलालों, उप-दलालों, व्यापारी सदस्यों अथवा समाशोधन सदस्यों पर लागू होंगे”।

14. भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड, (हामीदार) विनियम, 1993 का संशोधन विनियम 6 के पश्चात्, निम्नलिखित विनियम अंतःस्थापित किया जायेगा, अर्थात् :-
 “भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (उपयुक्त तथा उचित व्यक्ति के लिए मानदंड) विनियम, 2004 का लागू होना।

6क. भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (उपयुक्त तथा उचित व्यक्ति के लिए मानदंड) विनियम, 2004 के उपबंध, यथाशक्य, इन विनियमों के अधीन सभी आवेदकों या हामीदारों पर लागू होंगे”।

15. भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड, (जोखिम पूँजी निधियों) विनियम, 1996 का संशोधन विनियम 4 के पश्चात्, निम्नलिखित विनियम अंतःस्थापित किया जायेगा, अर्थात् :-
 “भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (उपयुक्त तथा उचित व्यक्ति के लिए मानदंड) विनियम, 2004 का लागू होना।

4क. भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (उपयुक्त तथा उचित व्यक्ति के लिए मानदंड) विनियम, 2004 के उपबंध, यथाशक्य, इन विनियमों के अधीन सभी आवेदकों या जोखिम पूँजी निधियों पर लागू होंगे”।

[फा. सं. भाप्रविबो/विधि/4261/2004]

ज्ञानेन्द्रनाथ बाजपेयी, अध्यक्ष

SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA**NOTIFICATION**

Mumbai, the 10th March, 2004

Securities and Exchange Board of India (Criteria for Fit and Proper Person) Regulations, 2004

S.O. 398(E).—In exercise of the powers conferred by Section 30 read with Sections 11(1) and 12 of the Securities and Exchange Board of India Act, 1992 (15 of 1992), the Board hereby makes the following regulations, namely:—

Short Title and Commencement

1. (1) These regulations may be called the Securities and Exchange Board of India (Criteria for Fit and Proper Person) Regulations, 2004.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

Definitions

2. (1) In these regulations, unless the context otherwise requires,—
 - (a) “Act” means the Securities and Exchange Board of India Act, 1992 (15 of 1992);
 - (b) “Board” means the Securities and Exchange Board of India established under section 3 of the Act;
 - (c) “intermediary” means a person registered under section 12 of the Act and also a foreign venture capital investor registered with the Board under the Securities and Exchange Board of India (Foreign Venture Capital Investors) Regulations, 2000;
 - (d) “relevant regulations” means the regulations as specified in the ‘Schedule’ and any amendment thereto made from time to time;
 - (e) “Schedule” means a schedule appended to these regulations.
- (2)(a) Words and expressions used and not defined in these regulations shall have the meanings, if any, respectively assigned to them under the Act or any amendment thereto or re-enactment thereof.
- (b) Words and expressions used and not defined either in these regulations or in the Act, shall have the meanings, if any, respectively assigned to them under the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956 or any amendment thereto or re-enactment thereof.
- (c) Words and expressions used and not defined either in these regulations, or in the Act or in the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956 shall have the meanings, if any, respectively assigned to them under the Companies Act, 1956, or any amendment thereto or re-enactment thereof.

Criteria for determining a 'fit and proper person'

3. (1) "For the purpose of determining as to whether an applicant or the intermediary seeking registration under any one or more of the relevant regulations is a 'fit and proper person', the Board may take account of any consideration as it deems fit, including but not limited to the following criteria —
- (a) financial integrity;
 - (b) absence of convictions or civil liabilities;
 - (c) competence;
 - (d) good reputation and character;
 - (e) efficiency and honesty; and
 - (f) absence of any disqualification to act as an intermediary as stipulated in these regulations.
- (2) A person shall not be considered as a "fit and proper person" for the purpose of grant or renewal of certificate to act as an intermediary or to continue to act as an intermediary under any one or more of the relevant regulations, if he incurs any of the following disqualifications -
- (a) the applicant or the intermediary, as the case may be or its whole time director or managing partner has been convicted by a Court for any offence involving moral turpitude, economic offence, securities laws or fraud;
 - (b) an order for winding up has been passed against the applicant or the intermediary;
 - (c) the applicant or the intermediary, or its whole time director, or managing partner has been declared insolvent and has not been discharged;
 - (d) an order, other than an order of suspension of certificate of registration as an intermediary, restraining, prohibiting or debarring the applicant or the intermediary, or its whole time director or managing partner from dealing in securities in the capital market or from accessing the capital market has been passed by the Board or any other regulatory authority and a period of three years from the date of the expiry of the period specified in the order has not elapsed;
 - (e) an order canceling the certificate of registration of the applicant or the intermediary has been passed by the Board on the ground of its indulging in insider trading, fraudulent and unfair trade practices or market manipulation and a period of three years from the date of the order has not elapsed;
 - (f) an order withdrawing or refusing to grant any license / approval to the applicant or the intermediary, or its whole time director or managing partner which has a bearing on the capital market, has been passed by the Board or any other regulatory authority and a period of three years from the date of the order has not elapsed;
- Provided that the Board may for reasons to be recorded in writing, allow the applicant or the intermediary, to seek registration before the lapse of three years as specified in clauses (d), (e) and (f).
- (g) the applicant or the intermediary, is financially not sound;
 - (h) any other reason, to be recorded in writing by the Board, which in the opinion of the Board, renders such applicant or the intermediary, or its whole time director or managing partner unfit to operate in the capital market.

Explanation: 1. For the purpose of this regulation 'whole time director', in relation to –

- (a) a mutual fund shall mean its sponsors, directors, principal officers, trustees or whole time directors of its asset management company;
 - (b) a venture capital fund,
 - i. where such venture capital fund is a trust, shall mean the whole time directors of its trustee company.
 - ii. where such venture capital fund is a body corporate, shall mean its whole time directors or the trustees.
2. For the purpose of clause (g) of sub-regulation (2), the Board shall take into consideration the capital adequacy or networth of the applicant or the intermediary, wherever it has been so specified in the relevant regulations;

Amendment of relevant regulations

4. The relevant regulations specified in the Schedule shall be amended in the manner stated therein.

THE SCHEDULE

[see regulation 3]

1. Amendment of Securities and Exchange Board of India, (Bankers to an Issue) Regulations, 1994.

After regulation 6, the following regulation shall be inserted, namely: -

“Applicability of Securities and Exchange Board of India (Criteria for fit and proper person) Regulations, 2004 .

6A. The provisions of the Securities and Exchange Board of India (Criteria for fit and proper person) Regulations, 2004 shall, as far as may be, apply to all applicants or the bankers to an issue under these regulations”.

2. Amendment of Securities and Exchange Board of India, (Collective Investment Schemes) Regulations, 1999.

After regulation 9, the following regulation shall be inserted, namely: -

“Applicability of Securities and Exchange Board of India (Criteria for fit and proper person) Regulations, 2004.

9A. The provisions of the Securities and Exchange Board of India (Criteria for fit and proper person) Regulations, 2004 shall, as far as may be, apply to all applicants or the Collective Investment Management Companies under these regulations”.

3. **Amendment of Securities and Exchange Board of India, (Credit Rating Agencies) Regulations, 1999.**

After regulation 5, the following regulation shall be inserted, namely: -

“Applicability of Securities and Exchange Board of India (Criteria for fit and proper person) Regulations, 2004.

5A. The provisions of the Securities and Exchange Board of India (Criteria for fit and proper person) Regulations, 2004 shall, as for as may be, apply to all applicants or the credit rating agencies under these regulations”.

4. **Amendment of Securities and Exchange Board of India, (Custodian of Securities) Regulations, 1996.**

After regulation 6, the following regulation shall be inserted, namely: -

“Applicability of Securities and Exchange Board of India (Criteria for fit and proper person) Regulations, 2004.

6A. The provisions of the Securities and Exchange Board of India (Criteria for fit and proper person) Regulations, 2004 shall, as for as may be, apply to all applicants or the custodians of securities under these regulations”.

5. **Amendment of Securities and Exchange Board of India, (Debenture Trustees) Regulations, 1993.**

After regulation 6, the following regulation shall be inserted, namely: -

“Applicability of Securities and Exchange Board of India (Criteria for fit and proper person) Regulations, 2004.

6A. The provisions of the Securities and Exchange Board of India (Criteria for fit and proper person) Regulations, 2004 shall, as for as may be, apply to all applicants or the debenture trustees under these regulations”.

6. **Amendment of Securities and Exchange Board of India, (Depositories and Participants) Regulations, 1996.**

After regulation 6, the following regulation shall be inserted, namely: -

“Applicability of Securities and Exchange Board of India (Criteria for fit and proper person) Regulations, 2004.

6A. The provisions of the Securities and Exchange Board of India (Criteria for fit and proper person) Regulations, 2004 shall, as for as may be, apply to all applicants or the depositories and participants under these regulations”.

7. Amendment of Securities and Exchange Board of India, (Foreign Institutional Investors) Regulations, 1995.

After regulation 6, the following regulation shall be inserted, namely : -

“Applicability of Securities and Exchange Board of India (Criteria for fit and proper person) Regulations, 2004 .

6A.The provisions of the Securities and Exchange Board of India (Criteria for fit and proper person) Regulations, 2004 shall, as for as may be, apply to all applicants or the foreign institutional investors under these regulations”.

8. Amendment of Securities and Exchange Board of India, (Foreign Venture Capital Investors) Regulations, 2000.

After regulation 4, the following regulation shall be inserted, namely : -

“Applicability of Securities and Exchange Board of India (Criteria for fit and proper person) Regulations, 2004.

4A.The provisions of the Securities and Exchange Board of India (Criteria for fit and proper person) Regulations, 2004 shall, as for as may be, apply to all applicants or the foreign venture capital investors under these regulations”.

9. Amendment of Securities and Exchange Board of India, (Merchant Bankers) Regulations, 1992.

After regulation 6, the following regulation shall be inserted, namely: -

“Applicability of Securities and Exchange Board of India (Criteria for fit and proper person) Regulations, 2004.

6A.The provisions of the Securities and Exchange Board of India (Criteria for fit and proper person) Regulations, 2004shall, as for as may be, apply to all applicants or the merchant bankers under these regulations”

10. Amendment of Securities and Exchange Board of India, (Mutual Funds) Regulations, 1996.

After regulation 7, the following regulation shall be inserted, namely: -

“Applicability of Securities and Exchange Board of India (Criteria for fit and proper person) Regulations, 2004.

7A.The provisions of the Securities and Exchange Board of India (Criteria for fit and proper person) Regulations, 2004 shall, as for as may be, apply to all applicants or the mutual funds under these regulations”.

11. Amendment of Securities and Exchange Board of India, (Portfolio Managers) Regulations, 1993.

After regulation 6, the following regulation shall be inserted, namely: -

“Applicability of Securities and Exchange Board of India (Criteria for fit and proper person) Regulations, 2004.

6A. The provisions of the Securities and Exchange Board of India (Criteria for fit and proper person) Regulations, 2004 shall, as for as may be, apply to all applicants or the portfolio managers under these regulations”.

12. Amendment of Securities and Exchange Board of India, (Registrars to an Issue and Share Transfer Agents) Regulations, 1993.

After regulation 6, the following regulation shall be inserted, namely: -

“Applicability of Securities and Exchange Board of India (Criteria for fit and proper person) Regulations, 2004.

6A. The provisions of the Securities and Exchange Board of India (Criteria for fit and proper person) Regulations, 2004 shall, as for as may be, apply to all applicants or the registrars to an issue and share transfer agents under these regulations”.

13. Amendment of Securities and Exchange Board of India, (Stock Brokers and Sub-Brokers) Regulations, 1992.

After regulation 5, the following regulation shall be inserted, namely: -

“Applicability of Securities and Exchange Board of India (Criteria for fit and proper person) Regulations, 2004 .

5A. The provisions of the Securities and Exchange Board of India (Criteria for fit and proper person) Regulations, 2004 shall, as for as may be, apply to all applicants or the stock brokers, sub-brokers, trading members and clearing members under these regulations”.

14. Amendment of Securities and Exchange Board of India, (Underwriters) Regulations, 1993.

After regulation 6, the following regulation shall be inserted, namely: -

“Applicability of Securities and Exchange Board of India (Criteria for fit and proper person) Regulations, 2004 .

6A. The provisions of the Securities and Exchange Board of India (Criteria for fit and proper person) Regulations, 2004 shall, as for as may be, apply to all applicants or the underwriters under these regulations”.

15. Amendment of Securities and Exchange Board of India, (Venture Capital Funds) Regulations, 1996.

After regulation 4, the following regulation shall be inserted, namely: -

“Applicability of Securities and Exchange Board of India (Criteria for fit and proper person) Regulations, 2004.

4A. The provisions of the Securities and Exchange Board of India (Criteria for fit and proper person) Regulations, 2004 shall, as far as may be, apply to all applicants or the venture capital funds under these regulations”.

[F.No. SEBI/LE/4261/2004]

G.N. BAJPAL, Chairman

अधिसूचना

मुम्बई, 24 मार्च, 2004

प्रतिभूति संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1956 की धारा 11(3) के अधीन अहमदाबाद स्टॉक एक्सचेंज के शासी बोर्ड के अधिक्रमण की कालावधि को बढ़ाने के लिए अधिसूचना

का.आ. 399(अ).— तारीख 25 मार्च 2003 की अधिसूचना सं. 314 (अ) (इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिसूचना के रूप में निर्दिष्ट) द्वारा अहमदाबाद स्टॉक एक्सचेंज के शासी बोर्ड को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड द्वारा 25 मार्च 2003 से प्रभावी एक वर्ष की कालावधि के लिए अतिष्ठित किया गया था और श्री पी.के. घोष, आई.ए.एस. (सेवानिवृत्त) को शासी बोर्ड की समस्त शक्तियों और कर्तव्यों का प्रयोग करने और पालन करने के लिए प्रशासक के तौर पर नियुक्त किया गया था। उक्त अधिसूचना के अनुसार अधिक्रमण की वर्तमान अवधि 24 मार्च 2004 को समाप्त हो रही है।

प्रशासक द्वारा किये गये विभिन्न सुधारात्मक उपायों को ध्यान में रखते हुए, जिनमें से कुछ पर अविरत अनुवर्ती कार्रवाई अपेक्षित होगी, आगे विनिधानकर्ताओं के हित में एक्सचेंज की कार्यप्रणाली को सुचारू बनाने के लिए और नये शासी बोर्ड के निर्वाचन तथा गठन की प्रक्रिया को पूरा करने के लिए अपेक्षित समय और आगे अपरस्पीकरण (डीम्युचुअलाइजेशन) और निगमीकरण (कॉर्पोरेटाइजेशन) की प्रक्रिया को पूरा करने के लिए, शासी बोर्ड के अधिक्रमण की कालावधि को एतद्वारा छह मास की अतिरिक्त कालावधि के लिए बढ़ाया जाता है।

पूर्वोक्त कारणों को ध्यान में रखते हुए, केंद्रीय सरकार द्वारा जारी तारीख 30 जुलाई 1992 की अधिसूचना सं. एस.ओ.573 के साथ पठित प्रतिभूति संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1956 की धारा 11 के अधीन और भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992 की धारा 4(3) के अधीन भी मुझे प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिसूचना में यथा आदिष्ट अहमदाबाद स्टॉक एक्सचेंज के शासी बोर्ड के अधिक्रमण को एतद्वारा 25 मार्च 2004 से प्रभावी छह मास की अतिरिक्त कालावधि के लिए बढ़ाया जाता है। श्री पी.के.घोष, आई.ए.एस. (सेवानिवृत्त) प्रशासक के तौर पर बने रहेंगे और शासी बोर्ड की समस्त शक्तियों और कर्तव्यों का प्रयोग और पालन करेंगे, बढ़ायी गयी कालावधि के दौरान।

[फा. सं. भाप्रविबो/विधि/5304/2004]

ज्ञानेन्द्रनाथ बाजपेयी, अध्यक्ष

NOTIFICATION

Mumbai, the 24th March, 2004

Notification under Section 11(3) of the Securities contracts (Regulation) Act, 1956 for Extending the Period of Supersession of the Governing Board of Ahmedabad Stock Exchange

S.O.399(E).— Vide notification no. 314(E) dated March 25, 2003 (referred hereinafter to as the said notification) the Governing Board of the Ahmedabad Stock Exchange was superseded by the Securities and Exchange Board of India for a period of one year with effect from March 25, 2003 and Shri P. K. Ghosh, IAS (Retd.) was appointed as the Administrator to exercise and perform all the powers and duties of the Governing Board. The current term of supersession vide the said notification is expiring on March 24, 2004.

In view of the various corrective measures taken by the Administrator, some of which would require sustained follow up action, to further streamline the functioning of the Exchange in the interest of investors and time required to complete the process of election and constitution of the new Governing Board and further to complete the process of demutualization and corporatisation, the period of supersession of the Governing Board is hereby extended for a further period of six months.

In view of the aforesaid reasons, in exercise of the powers conferred upon me under Section 11 of the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956 read with the Notification no. S.O.573 dated July 30, 1992 issued by Central Government and also Section 4(3) of Securities and Exchange Board of India Act 1992, the supersession of the Governing Board of the Ahmedabad Stock Exchange as ordered in the said notification is hereby extended for a further period of six months with effect from March 25, 2004. Shri P. K. Ghosh, IAS (Retd.) shall continue as the Administrator and exercise and perform all the powers and duties of the Governing Board, during the extended period.

[F. No. SEBI/LE/5304/2004]

G.N. BAJPAL, Chairman